SA-II

Ch-4

1) मौखिक

क) व्यापारी राजा के दरबार मे क्यो आया था?

A) व्यापारी राजा के लिए एक अद्भुत उपहार लाया था और साथ ही उसके दरबारियो को चुनौती भी देने आया था।

ख) व्यापरी की चुनौती किसने स्वीकार की और क्यो?

A) व्यापारी की चुनौति सभा मे उपस्थित गोनू झा ने स्वीकार की क्योकी अगर वह ऐसा नही करते तो दरबार की जग-हँसाई होती।

ग) गोनु झा और व्यापरि रात भर क्यो जागते रहे?

A) गोनू झा और व्यपरि दोनो रात भर संदूक की रखवाली करने के लिए जागते रहे थे।

ङ) ~~क्या सुनकर गोनू झा की आँखो मे चमक आ गई?~~ व्यापारी की मायूसी का क्या कारण था?

A) गोनू झा ने व्यपारी के संदूक मे छिपे अद्भुत उपहार का रहस्य जान लिया था और उसकी चुनौती को जीत लिया था। अब व्यापारी को चुनौती के अनुसार राजा की चाकरी करनी थी। इस कारण

व्यापारी मायूस हो गया।

~~व्यापारी की मायूसी का क्या कारण था?~~

घ) क्या सुनकर गीनू झा की आँखो मे चमक आ

A) यह जानकर की व्यापारी के पेड़ो मे तरह-तरह के फूल खिलते है और वे भी रात को गीनू झा की आँखो मे चमक आ गई।

२) लिखित :-

क) व्यापारी ने सभा मे क्या चुनौती दी?

A) व्यापारी राजा के लिए एक अद्‌भुत लाया था और उसने सभा को यह कहते हुए चुनौती दी थी कि राजा के दरबार मे एक से बढ़कर एक ज्ञानी-ध्यानी है, इसलिए पहले कोई उसे यह बताए वह उपहार मे क्या लाया है, अगर सही उत्तर मिला तो वह राजा की सेवा करने को तैयार रहेगा।

ख) गीनु झा की संदूक के रहस्य का कैसे अनुमान हुआ

A) जब रात को व्यापारी, गीनू झा के घर पर था तब बातो ही बातो मे गीनू झा ने व्यापारी को बताया की एक बार उसे एक

व्यापारी मिला था और उसने भी यही कहा था कि वह बिना बीज-पानी के पेड़ उगाता है पेड़ो मे तरह-तरह के फल खिलते है, वह भी रात को; क्या उसकी तरह व्यापारी की संदूक मे भी एसे ही पेड़ है जो कि तरह-तरह के फल खिलाते है? जब व्यापारी ने अहंकार से भरकर हाँ कहा तो गोनू झा को व्यापारी के संदूक में छिपे रहस्य का अनुमान हो गया।

ग) महाराज और सभासद क्यो झुंझला गए थे?

A) गोनू झा ने सभा मे आतिशबाजी छोड़ी थी और सभा के सामान्य शिष्टाचार को भंग किया था। इसी कारण महाराज और सभासद झुंझला गए।

घ) व्यापरी क्यो दंग रह गया? व्याख्या करो?

A) जब गोनू झा ने व्यापारी के संदूक मे छिपे रहस्य यानी आतिशबाजी के होने का रहस्य सबको बताया तो व्यापारी आश्चर्य-चकित रह गया।

3) (✓ or ×)

क) व्यापारी ने सभा मे उपस्थित व्यक्तियों को चुनौती दी थी - [✓]

ख) संदूक मे ढेर सारे कीमती कपडे भरे थे [×]

ग) व्यापारी रात भर गोनू झा के साथ ठहरा था - [✓]

घ) गोनू झा ने सभा मे आतिशबाजी की - [✓]

4) किसने, किससे कहा :-

क) "क्या आप भी रात मे पेड़ उगाकर भाँति भाँति के फूल खिला सकते है - गोनू ने व्यापारी

ख) आपके लिए मै एक अद्भुत उपहार लाया हूँ लेकिन आपके दरबार मे एक से एक ज्ञानी - ध्यानी है इसलिए पहले मुझे कोई यह बताये कि इस संदूक मे क्या है - व्यापारी ने राजा से कहा

ग) गोनू झा, यह क्या बेवक्त की शहनाई है! सभा का सामान्य शिष्टाचार भी भूल

गए? - राजा ने गोनू झा से कहा

ध) व्यापारी, आपको दुखी होने की ज़रूरत नहीं है - राजा ने व्यापारी से कहा।

ङ) आपने कैसे जाना कि इसमें आतिशबाजी है? - व्यापारी ने गोनू झा से कहा

1) उचित स्थान पर अनुस्वार और अनुनासिक लगाकर लिखो :-

क) दात - दाँत

ख) मदत - मंदत

ग) पाच - पांच

घ) स्वतत्र - स्वतंत्र

ङ) बूद - बूँद

च) गगा - गंगा

छ) टागना - टाँगना

ज) सतरा - संतरा

झ) पचतत्र - पंचतंत्र

ञ) मूदना - मूँदना

ix) पान - ... (x) ...

3.) दिए गए मुहावरों और उनके अर्थों को समझे
i) जो चर्चा मे रहता हो - चर्चित

ii) जंगल मे रहने वाला - जंगली

iii) जो देखने योग्य हो - दर्शनीय

iv) जिसके माता - पिता न हो - अनाथ

v) अत्याचार करने वाला - अत्याचारी

vi) जिसका अंत न हो - अनंत

4.) दिए गए मुहावरों और उनके अर्थों को समझे
i) धोखेबाज़ - मेरी दोस्त धोखेबाज़ है।

ii) बहुत आदर - सत्कार करना - मै मेरी पिता और माता की बहुत आदर - सत्कार करती हूँ

iii) सुखमय जीवन बिताना - मै बहुत सुखमय जीवन बिताती हूँ।

iv) दोहरा लाभ - पापा एक काम से बाजार गए थे उनका दोहरा लाभ हुआ।

v) लड़ाई करवाना - मेरी पड़ोसन घर घर मे लड़ाई करवाती है।

vi) चापलूसी करना - चाकर मालीक लोगो को चापलूसी करना जानते।

vii) झूठा सहारा करना - दूसरे लोगो के उपर झूठा साहरा करना नही चहीए।

viii) सपने देखते रहना - रानी दीन मे भी सपने देखती रहती है।

शब्दार्थ :-

1) अद्‌भुत - अनोखा

2) चाकरी - सेवा

3) अहंकार - घमंड

4) निश्चिंत - बेफ़िक्र

5) आतिशबाजी - पटाखे, फुलझड़ी, अनार आदि

6) शिष्टाचार - सभ्य व्यवहार, तमीज़

7) सर्वप्रथम - सबसे पहले

8) रहस्यमय - जिसमे कोई राज़ हो

9) विस्मयपूर्वक - हैरान होकर

10) प्रशंसनीय - तारीफ करने योग्य

- x -

Ch-5

* शब्दार्थ

1) निरंतर - लगातार

2) गतिमान - तेजी से बढ़ने या चलने वाला

3) उन्नति - किसी क्षेत्र मे आगे बढ़ना

4) अरुचिकर - बिना किसी लगाव के

5) सदुपयोग - सही काम मे लाया जाना

6) विद्यमान - उपस्थित, मौजूद

7) आशय - मतलब

8) विलंब - देर

9) बंदी - कैदी

10) पराजय - हार

11) अवहेलना - ध्यान न देना

12) परिश्रमी - मेहनती

1) मौखिक

क) हमें समय का सदुपयोग क्यों करना चाहिए?

A) समय को सफलता की कुंजी कहा गया है इसीलिए हमें सदा समय का सही प्रयोग करना चाहिए और इसे बरबाद नहीं करना चाहिए।

ख) उन्नति की राह में सबसे बड़ा शत्रु किसे कहा गया है?

A) उन्नति की राह में समय की बरबादी को सबसे बड़ा शत्रु माना गया है।

ग) कबीर दास जी द्वारा कहा गया समय से संबंधित प्रसिद्ध दोहा कौन सा है?

A) कबीर दास जी द्वारा कहा गया समय से संबंधित प्रसिद्ध दोहा "काल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में परलय होएगी, बहुरी करोगे कब।

घ) धन से ज्यादा समय को क्यों उपयोगी कहा गया है?

A) समय का उपयोग धन के उपयोग से कही ज्यादा जरूरी है क्योंकी हम सभी की सुख सूविधा इसी पर नीर्भर है।

2) लिखित

क) समय को सफ़लता की कुंजी क्यो कहा गया है?

A) समय को सफलता की कुंजी इसलीए कहा गया है यह अपनी गती से चलता रहता है और हमे इस गती आन समय की गती का पालन औ सम्मान करते हुए इसके कदम से कदम मिलाकर चलना चाहीए। जो व्यक्ती समय का पालन करते हुए उसका सदुपयोग करता है उसे अपने जीवन मे सफ़ल जरूर प्राप्त होता है।

ख) 'आज का काम, कल पर नही टालना चाहिए इस कथन से तुम क्या समझते हो?

A) सच ही कहा गया है की आज काम हमे कल पर कभी नही टालना चाहीए क्योंकी जब हम उस काम को टाल देते है वो एक बोझ के समान हो जाता है। और हमारे लीए अस्वीकार हो जाते है। हमे

[redacted] समय रहते अपने काम को पूरा कर लें चाहिए इसे हमारा मन भी सन्तुष्ट रहता है और जीवन भी।

ग) महान चणक्य ने समय की उपयोगिता को कैसे आँका है?

A) महान परमज्ञानी चाणक्य के अनुसार जो व्यक्ती अपने जीवन मे समय का ध्यान नहीं रखता उसके हाथ असफलता और पस्ताता ही लगता है।

घ) किन्ही दो सफल व्यक्तियो के विषय मे बताओ बताओ कि किस तरह समय का सदुपयोग करते हुए उन्होने सफलता के शिखर को छुआ।

A) यहाँ दो सफल व्यक्ती की बारे मे दीया गया है जीनहोने सफलता के सीखर पे समय का सदुपीयोग करते हुए छुआ। पहले थे गालीलीयो जो दवा बेचने का काम करते थे उसी मे से थोड़ा थोड़ा समय नीकालकर उनहोने वीज्ञान के अनेक आवीस्कार कर डाले। दूसरे थे ईश्वरचन्द्र वीद्यासागर जी समय के बडे पाबन्द थे

जब वो कॉलेज जाते तो रास्ते के दुकानदार अपनी घड़ियाँ उन्हें देखकर ठीक करते थे।

3) सही विकल्प चुनकर (✓) लगाओ और वाक्य पूरे करो :-

क) समय का सदुपयोग करना हमारे जीवन के लिए आवश्यक है।

A) सदुपयोग

ख) सारी काम, बासी भोजन की तरह अरुचिकर हो जाते हैं।

A) अरुचिकर

ग) समय का ध्यान न रखने पर कई बार विजय का पासा पराजय में पलट जाता है।

A) पराजय

घ) असमय बोया गया बीज बेकार चला जाता है।

A) असमय

1) वर्तनी शुद्ध करो :
i) ईश्र्या - ईर्ष्या

ii) प्रयतन- प्रयत्न

iii) ~~म्रग~~- मृग

iv) पक्शी - पक्षी

v) ~~शुक~~ शुके - शुक्र

vi) घ्रणा - घृणा

vii) आशीवाद - आशीर्वाद

viii) ~~निमंतरन~~ - निमंत्रण

ix) सनयोग - ~~आशीर्वाद~~ संयोग

x) विपकश - विपक्ष

2) नीचे लिखे शब्दों के दो - दो अर्थ लि

i) दुख - विषाद, पीड़ा

ii) जग - संसार, जगत, दुनिया

iii) बंधु - सखा , मित्र

iv) धन - संपत्ती , अर्थ , दौलत

v) शत्रु - दुश्मन , अरि

vi) नौकर - दास , सेवक

3) विशेष्य के लिए उचित विशेषण शब्द लिखो :-

i) चालाक , कमजोर बूढ़ा

ii) कमजोर , मोटा शरीर

iii) कपटी , प्रिय मित्र

iv) धनी , लालची सेठ

v) स्वच्छ , निर्मल जल

vi) सुंदर , रंग , बिरंगी तितलियाँ

vii) अंधार , अंधेरी कठोरी

viii) बड़ा, लंबे — दाय

ix) मिठा, मीला — स्वर

x छोटा, सुनसब — शहर

— x —